

भारत सरकार
रसायन और उर्वरक मंत्रालय
उर्वरक विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1000

जिसका उत्तर शुकवार, 5 दिसंबर, 2025/14 अग्रहायण, 1947 (शक) को दिया जाना है।

चीन से उर्वरकों का आयात

1000. श्री वी. के. श्रीकंदन:

क्या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या भारत टीएमएपी जैसे फॉस्फेट और एडब्ल्यू जैसे यूरिया उत्सर्जन नियंत्रण तरल पदार्थों सहित लगभग 95 प्रतिशत विशेष उर्वरकों का आयात चीन से करता है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (ख) क्या चीन ने 15 अक्टूबर, 2025 से इन उत्पादों के निर्यात पर रोक लगा दी है और यह निलंबन अगले 5 से 6 महीनों के लिए होगा और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (ग) क्या चीन द्वारा विशेष उर्वरकों के निर्यात को बंद करने से रबी फसल के महत्वपूर्ण मौसम से पहले देश में उर्वरकों की कीमतें बढ़ जाएंगी; और
- (घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और सरकार द्वारा इस संबंध में क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क): उर्वरक नियंत्रण आदेश, 1985 में किसी भी उर्वरक को विशेष उर्वरक के रूप में वर्गीकृत नहीं किया गया है। हालांकि, 100% जल में घुलनशील मिश्रित उर्वरक और उर्वरक का 100% जल में घुलनशील मिश्रण नामक उर्वरक-श्रेणियां हैं। केंद्रीय उर्वरक गुणवत्ता नियंत्रण एवं प्रशिक्षण संस्थान (सीएफव्यूसीएंडटीआई) उर्वरक निरीक्षकों के माध्यम से अलग-अलग बन्दरगाहों पर आयातित उर्वरकों के नमूने लेता है और पिछले चार वर्षों के दौरान संस्थान द्वारा किए गए निरीक्षण के आधार पर, चीन से आयातित जल में घुलनशील उर्वरकों के आंकड़े नीचे दिए गए हैं।

(मात्रा एमटी में)

क्र.सं.	वर्ष	कुल आयात	चीन से आयात	चीन से आयात %
1	2021-22	1,98,234.724	1,19,363.778	60.21
2	2022-23	2,09,575.573	1,28,850.823	61.48
3	2023-24	2,07,979.400	1,22,918.350	59.10
4	2024-25	2,60,636.814	1,71,093.710	65.65

(ख) से (घ): विशेष उर्वरकों को उर्वरक विभाग द्वारा प्रशासित पोषक-तत्व आधारित सब्सिडी (एनबीएस) स्कीम के दायरे में शामिल नहीं किया गया है। इसलिए, विशेष उर्वरकों पर सब्सिडी नहीं दी जाती है। उर्वरक कंपनियां अपने व्यावसायिक उतार-चढ़ाव के अनुसार इन उर्वरकों का आयात करने के लिए स्वतंत्र हैं। पिछले कुछ महीनों में, चीन ने कथित तौर पर भारत को विशेष उर्वरकों के निर्यात पर रोक लगा दी है और भारतीय कंपनियां चीन से आयात कम होने से हुई कमी को पूरा करने के लिए बेल्जियम, मिस्र, जर्मनी, मोरक्को और यूएसए के वैकल्पिक आपूर्तिकर्ताओं से जल में घुलनशील उर्वरकों का प्रापण कर रही हैं।

इसके अतिरिक्त, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) और राज्य कृषि विश्वविद्यालयों सहित भारतीय अनुसंधान संस्थान जिंक ईडीटीए, बोरॉन मिश्रण, नैनो-उर्वरकों, जिंक विलयकारी बैक्टीरिया सहित सूक्ष्म पोषक तत्वों से समृद्ध जैव उर्वरकों जैसे स्वदेशी समाधान विकसित कर रहे हैं। इन शोध-आधारित नवाचारों से पोषक तत्व प्रबंधन में आत्मनिर्भरता लाने, आयात पर निर्भरता को कम करने और स्थायी कृषि उत्पादकता सुनिश्चित करने की दिशा में देश को मदद मिल रही है।

इसके अलावा, आईसीएआर ने आईआईएसएस-भोपाल, आईएआरआई-दिल्ली, और आईआईएचआर-बेंगलुरु जैसे संस्थानों के माध्यम से नैनो उर्वरकों, जैव-उर्वरकों, और अनुकूलित पोषक तत्व मिश्रण जैसी तकनीकें विकसित और अभिपुष्ट की हैं। ये प्रयास मृदा परीक्षण-आधारित उर्वरक अनुशासनों और स्थल-विशिष्ट पोषक तत्व प्रबंधन (एसएसएनएम) जैसी पहलों की सहायता से किए जा रहे हैं जिनसे एक समग्र एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन रणनीति को बल मिलता है।
